भारत सरकार

ग्रामीण विकास मंत्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. 33*

(19 नवंबर, 2019 को उत्तर दिए जाने के लिए)

महिला किसान सशक्तीकरण परियोजना

***33. श्री हेमन्त तुकाराम गोडसेः**

श्री बी.बी. पाटीलः

क्या ग्रामीण विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) महिला किसान सशक्तीकरण परियोजना (एमकेएसपी) की मुख्य विशेषताएं तथा वर्तमान स्थिति क्या है और उक्त योजना के अंतर्गत कितनी निधि आवंटित की गई है;

(ख) इस योजना के अंतर्गत निर्धारित तथा अब तक प्राप्त लक्ष्यों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) इस योजना के अंतर्गत महिला किसानों की सहायता करने के लिए चलाए गए कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) इस योजना के लिए बाहरी एजेंसियों के साथ सहयोग का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

ग्रामीण विकास मंत्री

(श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

******

लोक सभा में दिनांक 19.11.2019 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत तारांकित प्रश्न संख्या 33 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): वर्ष 2011 में शुरू की गई महिला किसान सशक्तीकरण परियोजना (एमकेएसपी) राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) का एक उप घटक है, जिसका लक्ष्य महिला किसानों की विशेष जरूरतों को पूरा करना है, ताकि उन्हें सामाजिक-आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके। एमकेएसपी का प्राथमिक उद्देश्य व्यवस्थित निवेश करके कृषि के क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाना है, ताकि कृषि में उनकी भागीदारी और कृषि उत्पादकता में वृद्धि की जा सके और साथ ही उनके लिए कृषि पर आधारित आजीविका सृजित की जा सके और उसे निरंतर जारी रखा जा सके।

एमकेएसपी के तीन प्रमुख कार्यक्रम क्षेत्र इस प्रकार हैं-(i) स्थायी कृषि, (ii) गैर इमारती वन-उत्पाद (एनटीएफपी) और (iii) मूल्य श्रृंखला विकास। पशुधन कार्यकलाप स्थायी कृषि एवं एनटीएफपी दोनों प्रकार की परियोजनाओं से जुड़े हैं। इन घटकों के अंतर्गत जिन प्रमुख कार्यकलापों को बढ़ावा दिया जाता है, वे इस प्रकार हैः

स्थायी कृषि

- कृषि और गैर-कृषि आधारित कार्यकलापों में सहायता करने के लिए कृषि में महिलाओं के कौशलों और क्षमताओं में सुधार करना;
- पारिवारिक और सामुदायिक स्तर पर खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना;
- सरकार व अन्य एजेंसियों की और अधिक सुविधाएं एवं सेवाएं प्राप्त करने में महिलाओं की सहायता करना;
- जैव-विविधता के बेहतर प्रबंधन के लिए कृषि में महिलाओं की प्रबंधकीय क्षमताओं को बढ़ाना;

गैर-इमारती वन उत्पाद

- जैव विविधता में सुधार करने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए एनटीएफपी प्रजातियों के पुनः सृजन को बढ़ावा देना;
- समुदाय की आय बढ़ाने के लिए स्थायी फसल कटाई और कटाई के उपरांत की तकनीकों के संबंध में समुदाय की क्षमता बढ़ाना;
- अधिक प्रतिफल सुनिश्चित करने के लिए एनटीएफपी के स्थानीय मूल्य संवर्धन तथा बाजार संपर्कों को बढ़ावा देना;

- सरकारी और अन्य एजेंसियों की सेवाएं तथा अपनी पात्रताएं बेहतर ढंग से प्राप्त करने में महिलाओं की सहायता करना;
- एनटीएफपी एकत्र करने वालों के आजीविका अवसरों में सुधार के लिए सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के प्रयोग को बढ़ावा देना।

मूल्य श्रृंखला विकास

- छोटी एवं सीमांत महिला किसानों के कृषि, □यरी और एनटीएफपी उत्पादों के लिए अपेक्षाकृत अधिक कीमतों की प्राप्ति सुनिश्चित करना;
- व्यापक पैमाने पर उत्पादन से आनुपातिक बचत सुनिश्चित करके छोटे एवं सीमांत उत्पादकों की मोलभाव करने तथा बेहतर कीमतें प्राप्त करने की शक्ति में वृद्धि सुनिश्चित करना;
- छोटी एवं सीमांत महिला किसानों द्वारा निर्मित वस्तुओं के लिए व्यापक पैमाने पर सशक्त कारोबारी मॉ□ल तैयार करना;
- मूल्य श्रृंखला विकास कार्यकलापों के कार्यान्वयन के लिए अनुकरणीय और स्थायी उत्पादक उद्यम विकसित करना;
- वस्तुओं के मूल्य संवर्धन, फसल कटाई के बाद उत्पादों के बेहतर प्रबंधन की समुदाय की क्षमताओं का विकास करना, गुणवत्ता पैरामीटरों की जानकारी इत्यादि को बढ़ावा देना;
- लेखांकन, सामान-सूची के प्रबंधन, उत्पादकों को भुगतान तथा बाजार संबंधी जानकारी के प्रचार-प्रसार के लिए आईसीटी के प्रयोग को बढ़ावा देना।

अब तक 24 राज्यों में कार्यान्वित करने के लिए कुल 84 एमकेएसपी परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं, जिनके अंतर्गत 33.81 लाख महिला किसानों को शामिल करने का लक्ष्य है। दिनांक 30.09.2019 तक 30,900 गांवों में कुल 36.06 लाख महिला किसानों को शामिल किया गया है। अनुमोदित परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए कुल 847.48 करोड़ रू. का केंद्रीय आवंटन किया गया है, जिसमें से 579.76 करोड़ रू. की राशि पहले ही रिलीज कर दी गई है।

(ख) व (ग): एमकेएसपी के सभी प्रमुख घटकों में महिला किसानों को लाभान्वित किया जाता है, जिसका राज्य/केंद्र शासित प्रदेश-वार लक्ष्य एवं उपलब्धियों का ब्यौरा निम्नवत है:-

क्र.सं.	राज्य	स्वीकृत परियोजनाओं की सं.	जिले		ब्लॉक		ग्राम/बसावट		महिला किसान	
			लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	आंध्र प्रदेश	14	16	16	423	427	8652	9,699	1,069,400	1,301,107
2	अरुणाचल प्रदेश	1	13	-	15	-	974	-	13550	-
3	असम	2	11	7	20	14	390	140	26500	14,549
4	बिहार	3	13	13	20	20	1192	1,141	125,154	135,012
5	छत्तीसगढ़	2	12	12	20	19	696	437	66255	60,972
6	गुजरात	2	4	4	9	9	392	373	29320	25,484
7	हरियाणा	1	4	4	4	4	153	103	6800	9,615
8	हिमाचल प्रदेश	1	1	1	2	2	130	130	2500	2,510
9	जम्मू और कश्मीर	1	6	-	6	-	210	-	16200	-
10	झारखं□	11	41	42	85	76	3151	1,979	137,068	112,450
11	कर्नाटक	3	4	4	7	7	390	407	19000	19,000
12	केरल	4	14	14	152	152	2079	1,873	228,500	401,118
13	मध्य प्रदेश	5	12	12	17	17	627	702	40000	44,415
14	महाराष्ट्र	2	24	24	152	152	5340	5,015	222,581	181,348
15	मेघालय	1	3	3	4	4	40	16	4000	1,600
16	मिजोरम	1	2	2	4	4	72	72	5000	5,000
17	नागालैं□	1	9	-	9	-	132	-	7500	-
18	ओ□शा	9	18	17	47	45	1456	913	52324	45,405
19	पु□चेरी	1	2	2	3	3	30	93	2000	770
20	राजस्थान	2	20	20	37	37	1364	1,246	80,340	81,396
21	तमिलना□	2	5	3	14	10	254	166	28800	16,800
22	तेलंगाना	10	9	9	279	279	4582	4,582	1,027,141	1,022,291
23	उत्तर प्रदेश	2	22	22	37	25	1250	981	106750	61,161
24	पश्चिम बंगाल	2	8	7	24	13	890	832	65210	64,000
	कुल	**84#**	**273**	**238**	**1390**	**1319**	**34446**	**30900**	**3381893**	**3,606,003**

इसमें 5 राज्यों छत्तीसगढ़, झारखं□, महाराष्ट्र, ओ□शा और पश्चिम बंगाल के लिए केंद्रीय सिल्क बो□ हेतु स्वीकृत एक बहु-राज्यीय परियोजना शामिल है।

(घ) क्षेत्र विशिष्ट सहायता के लिए एनआरएलम में विभिन्न संगठनों के साथ सहयोग किया गया है ताकि कार्यकलापों के कार्यान्वयन की प्रभावशीलता में सुधार किया जा सके। ये संगठन

कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजना और विभिन्न कार्यकलापों के कार्यान्वयन में राज्यों की सहायता कर रहे हैं। ब्यौरा नीचे दिया गया है:

क्षेत्र	**संगठन**	**प्रमुख सहायता क्षेत्र**
आजीविका	प्रदान	जानकारी प्रबंधन, दोहराने योग्य सफल मॉ□लों की पहचान करना, क्षमता निर्माण
मूल्य श्रृंखला विकास	केंद्रीय सिल्क बो□	प्री-कोकून अवस्था तक गरीब हितैषी टसर मूल्य श्रृंखला विकसित करना
आजीविका	□जिटल ग्रीन	आईसीटी आधारित प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण संरचना तैयार करना
टसर मूल्य श्रृंखला विकास	टसर विकास फाउं□शन	प्री-कोकून अवस्था तक गरीब हितैषी टसर मूल्य श्रृंखला विकसित करना